षष्टिम् तेषाम् ... युयुत्सूनाम् मया सार्द्धम् पर्यवर्त्तन्त; R. Schl. I. 9. 42.: ऋष्यशृङ्गः ... तत्र दुःखार्त्तः परिवर्त्तते· 2) Versari, esse, morari. R. Schl. II. 96. 17.: अङ्के (प्रियस्य) तु परिवर्त्तन्ती सीता·

c. परि praef. वि circumverti, circumvolvi. Bh. 9. 10.: जगद् विपरिवर्त्तते; R. Schl. II. 72. 26.: स रुदित्वा ... भूमौ विपरिवृत्यच; Man. 6. 22.: भूमौ विपरिवर्त्तेत·

c. परि praef. सम् circumvolvi. Mah. 1. 5216.: कार्य्यम् मे काङ्क्षितङ् किञ्चिद् हृदि सम्परिवर्त्तते; 3. 1436.: यत् ते भयम् अमित्रघ्न हृदि सम्परिवर्त्तते· — *Caus.* circumagere. R. Schl. II. 45. 33.: रथाद् विमुच्य श्रान्तान् हयान् सम्परिवर्त्य शीघ्रम्·

c. प्र 1) procedere, progredi. Ram. ed. Srîr. II. 46. 4.: मम त्व् अश्वा निवृत्तस्य न प्रावर्त्तन्त वर्त्मनि· 2) oriri. Bh. 10. 8.: मत्तः सर्व्वम् प्रवर्त्तते; Mah. 1. 4871.: तस्य कामः प्रववृते; Hit. 37. 18.: ततो वाञ्छा प्रवर्त्तते· 3) fieri. R. Schl. I. 35. 8.: सा प्रवृत्ता महानदी· 4) incipere, *c. infin. vel acc.*, (cf. क्रम् praef. प्र). Bhatt. 14. 95.: गन्तुम् प्रववृते ततः; Sak. 108. 15.: बाह्लत्क्षेपं रोदितुञ्च प्रवृत्ता· Initium capere. Bh. 17. 24.: ओम् इत्य् उदाहृत्य यज्ञदानतपःक्रियाः प्रवर्त्तन्ते ... ब्रह्मवादिनाम्; R. Schl. I. 60. 8.: ततः प्रववृते यज्ञः; Dev. 2. 39.: ततः प्रववृते युद्धम्· 5) versari, esse, locum habere. N. 9. 2.: द्यूतम् प्रवर्त्तताम् भूयः; In. 5. 61.: न तस्य कामः कामेषु पापकेषु प्रवर्त्तते· — प्रवृत्त qui versatur, est. In. 5. 27.: मनोरमे गेये प्रवृत्ते; Su. 2. 11. — qui adest. In. 5. 28.: सर्व्वास्वरःसु मुख्यासु प्रवृत्तासु· 6) se gerere *adversus alqm. c. loc.* N. 12. 14.: मयि मिथ्या प्रवर्त्तसे· — *Caus.* 1) producere, procreare. Mah. 3. 13981.: प्रावर्त्तयद् भुवनानि सप्त· 2) facere. R. Schl. II. 21. 35.: ना 'हन् धर्म्मम् अपूर्व्वन् ते प्रतिकूलम् प्रवर्त्तये·

c. प्र praef. अभि 1) adire. R. Schl. II. 54. 2.: यत्र ... गङ्गां यमुना 'भिप्रवर्त्तते· 2) versari, esse. अभिप्रवृत्त qui est, versatur. Bh. 4. 20.: कर्म्मण्य् अभिप्रवृत्तः·

c. प्र praef. सम् 1) adire, aggredi. Mah. 3. 68.: दुःखञ् चतुर्भिः शरीरङ् कारणैः सम्प्रवर्त्तते· 2) versari, esse. सम्प्रवृत्त 1) quod est, adest. Bh. 14. 22.: न द्वेष्टि सम्प्रवृत्तानि न निवृत्तानि काङ्क्षति· 2) quod fuit, praeteriit, evenit, accidit (vid. simpl. sgf. 2. Su. 5. 53.). N. 26. 35.: सम्प्रवृत्ते महोत्सवे·

c. वि se volutare. A. 3. 19.: सम्मार्ज्जन् जठरेणा 'वनीं विवर्त्तश्च मुहुर्मुहुः·

c. सम् 1) fieri. Ragh. 7. 19.: स्विन्नाङ्गुलिः संववृते कुमारी; N. 17. 42.: ख्यातः ... सानुक्रोशो भवान् सदा संवृत्तो निरनुक्रोशः; 20. 41.: विभीतकश्चा 'प्रशस्तः संवृत्तः कलिसंश्रयात्; Mah. 1. 7280.: मर्त्या अमर्त्याः संवृत्ताः· 2) esse. Mah. 3. 14839.: मृगयायै 'व नो गन्तुम् इच्छा संवर्त्तते भृशम्· — *Caus.* perficere, peragere. R. Schl. I. 15. 17.

2. वृत् 4. *A.* (सम्भक्तौ वरणे) colere, amare, eligere.

3. वृत् 10. *P.* (भाषार्थे *K.* दीप्तौ *V.*) loqui; lucere. (Vid. 1. वृत् *Caus.*)

वृत्त v. वृत्·

वृत्तान्त *m.* (e praec. et अन्त finis) 1) casus, eventus, res, res gesta, historia. N. 4. 23. Hit. 72. 17. Ur. 86. 4. infr. Lass. 9. 9. 31. 9. 2) status, conditio. Ur. 37. 4. *vid. sq.*

वृत्ति *f.* (r. वृत् s. ति) 1) status, conditio, vitae ratio, versandi, agendi ratio. Sa. 5. 46. Bh. 14. 18. Lass. 39. 13. 40. 19. Megh. 8. 91. 2) victus. Hit. 36. 21.

वृत्र *m.* *Vritrus*, nomen *Daityi*, quem *Indrus* occidit.

वृत्रशत्रु *m.* (Vritri inimicus e praec. et शत्रु inimicus) cognomen dei *Indri*. In. 2. 23.

वृत्रहन् *m.* (Vritri occisor e वृत्र et हन् occidens) cognomen dei *Indri*. In. 2. 26.

वृथा *Adv.* frustra, incassum. H. 4. 13. 50.

वृद्ध v. वृध्·

वृद्धि *f.* (r. वृध् crescere s. ति) actio crescendi, incrementum, successus, felicitas. M. 19. Sa. 6. 22. 24.

वृध् 1. *A. interdum P.* crescere. M. 11.: स तत्र ववृधे ... मत्स्यः; Mah. 1. 4865.: सर्व्वे ववृधुर् अल्पेन कालेन; Hit. 133. 14.: सुकृतिनाङ् कीर्त्तिश् चिरं वर्द्धताम्· *trop.* felicem esse, florere. Mah. 2. 1601.: दिष्ट्या वर्द्धसि